दैनिक

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

FAC NEWS फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल SPEED MULTIMEDIA

वर्ष : १० | अंक:१३ | मुंबई, शुक्रवार १५ मई २०२६ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

NEET पेपर लीक मामले में दबोचे गए दो और आरोपी, कहां तक पहुंची CBI जांच, अब तक क्या-क्या हुआ?

देश के सबसे बड़े मेडिकल एंट्रेंस टेस्ट NEET-UG 2026 के पेपर लीक से देश भर में हड़कंप मचा हुआ है।

इस मामले में CBI की जांच जारी है। देशभर में छापेमारी कर आरोपियों को अरेस्ट किया जा रहा है। इसी बीच CBI ने गुरुवार को दो और आरोपियों को अरेस्ट किया है। बता दें कि इससे पहले CBI ने 5 आरोपियों को राजस्थान, महाराष्ट्र और गुरुग्राम से गिरफ्तार किया था और अब तक कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

क्या कहा CBI ने?

गुरुवार को CBI ने बताया कि पिछले 24 घंटों में NEET पेपर लीक मामले में देशभर में 14 जगहों पर छापा मारा गया और दो और आरोपियों को अरेस्ट किया गया है।

बता दें कि पेपर लीक मामले में CBI ने 12 मई को केस दर्ज किया था। ये केस शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से मिली शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था।

महाराष्ट्र से दो और आरोपी गिरफ्तार

पिछले 24 घंटों में देशभर में की जा रही छापेमारी के दौरान CBI ने दो और आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है। दोनों आरोपियों को महाराष्ट्र से दबोचा गया है।

बता दें कि CBI ने अब जिन दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उनमें अहिल्यानगर से धनंजय लोखंडा और पुणे से मनीषा वाघमारे नाम की आरोपी है। CBI ने कहा कि कई और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय का बड़ा ऐलान, भेदभाव बर्दाश्त नहीं

चेन्नईः विजय ने स्पष्ट कहा है कि राज्य में धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चाहे

कोई मुसलमान हो या हिंदू, सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि कानून-व्यवस्था बनाए रखें और किसी भी तरह की भेदभावपूर्ण गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करें।

उन्होंने यह भी जोर दिया कि तमिलनाडु की पहचान सद्भाव और एकता है, जिसे हर हाल में बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है।

राज ठाकरे का मोदी सरकार पर हमला

■ सईद शेख

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से सोना कम खरीदने, पेट्रोल-डीजल की खपत घटाने, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करने और विदेश यात्राओं से बचने की अपील के बाद अब इस मुद्दे पर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश ने इससे पहले भी कई आर्थिक संकट, तेल संकट और वैश्विक अस्थिरता देखी है, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंग के दौर में जनता से इस तरह त्याग मांगने की नौबत नहीं आई थी। राज ठाकरे ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें पहले भी कई बार 90 से 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच चुकी हैं। वर्ष 2008, 2011, 2013 और उसके बाद भी दुनिया ने तेल संकट का दौर देखा, लेकिन तब सरकारों ने जनता के सामने भय का माहौल खड़ा करने के बजाय आर्थिक प्रबंधन पर ध्यान दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि आज देश और राज्यों की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण जनता से बचत और त्याग की अपील की जा रही है। मनसे प्रमुख ने प्रधानमंत्री की अपील पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि देश वास्तव में गंभीर संकट से गुजर रहा है, तो सबसे पहले सत्ता और सरकार को खुद उदाहरण पेश करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक तरफ जनता से पेट्रोल-डीजल बचाने, इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल बढ़ाने, विदेश यात्राएं टालने और मेट्रो-ट्रेन से सफर करने की बात कही जा रही है, वहीं दूसरी ओर बड़े-बड़े राजनीतिक रोड शो, गाड़ियों के लंबे काफिले, हेलिकॉप्टरों और चार्टर विमानों का इस्तेमाल लगातार जारी है। राज ठाकरे ने तंज कसते हुए कहा कि जनता से सादगी की अपेक्षा की जा रही है, लेकिन नेताओं की जीवनशैली और सरकारी तामझाम में कोई कमी दिखाई नहीं देती। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि विदेशी मुद्रा बचाना इतना जरूरी है, तो क्या सरकार अपने खर्चों में कटौती करने को तैयार है? क्या मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों के काफिले कम किए जाएंगे? क्या राजनीतिक कार्यक्रमों में होने वाले करोड़ों रुपये के खर्च पर रोक लगेगी? उन्होंने यह भी कहा कि सरकार अगर जनता से एक साल तक सोना न खरीदने की अपील कर रही है, तो इससे जुड़े व्यापार, सर्राफा बाजार और लाखों लोगों के रोजगार पर क्या असर पड़ेगा, इस पर भी स्पष्टता दी जानी चाहिए। बिना वैकल्पिक व्यवस्था और भरोसा दिए इस तरह की अपील से बाजार में डर और असमंजस पैदा हो सकता है। इस मुद्दे पर यूट्यूबर ध्रुव राठी ने भी सरकार की आलोचना करते हुए 'दोहरे मापदंड' का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जो नियम जनता के लिए बनाए जा रहे हैं, उनका पालन पहले सत्ता में बैठे लोगों को करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी की अपील और उस पर उठे सवालों के बाद अब देश में आर्थिक स्थिति, सरकारी खर्च, तेल संकट और राजनीतिक जवाबदेही को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। विपक्षी दल और आलोचक लगातार सरकार से यह पूछ रहे हैं कि त्याग और बचत की शुरुआत आखिर सत्ता के गलियारों से कब होगी।

क्या CM फडणवीस ने तोड़े नियम, एक्सपायर PUC वाली बाइक से पहुंचे विधानसभा?

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस आज बाइक से विधानसभा पहुंचे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का पालन करते हुए जनता को संदेश देने के लिए यह कदम उठाया था। अब उनके बाइक से चलने को लेकर राजनीति माहौल गरमा गया है। सीएम जिस बाइक से विधानसभा पहुंचे उसकी PUC एक्सपायर होने की बात सामने आई है।

कांग्रेस सांसद ने किया PUC एक्सपायर होने का दावा : कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट करते हुए दावा किया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जिस बाइक से विधान भवन पहुंचे उसकी PUC एक्सपायर हो गई है। उन्होंने लिखा कि 'तो एक्सपायर्ड माल ठीक है? ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री ने अपने #Austerity स्टंट के लिए एक्सपायर्ड PUC वाली गाड़ी चुनी। उन्होंने पूछा की क्या इस पर मुंबई ट्रैफिक पुलिस और मुंबई आरटीओ इस पर कोई एक्शन लेंगे? क्या

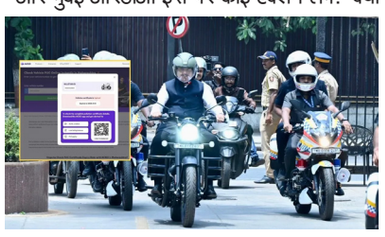

मुख्यमंत्री इस पर जवाब देंगे?'

मिसाल पेश करना था तो BEST बस से जाते

वर्षा गायकवाड़ ने पूछा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का कारों के काफिले को मोटरसाइकिलों के काफिले से बदलना असल में कैसे मदद करता है? क्या इससे बस थोड़ी-बहुत माइलेज में ही फर्क पड़ता है? मुख्यमंत्री नेपियन सी रोड के पास रहते हैं और आज उन्हें विधान भवन जाना था।

फिर दोहराया निर्भया कांड : दिल्ली में एक बार फिर कंडक्टर और ड्राइवर ने किया युवति के साथ बलात्कार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर से निर्भया जैसा कांड हो गया। 14 साल बाद फिर से हुई इस खौफनाक वारदात ने राजधानी के लोगों को हिला कर रख दिया है।

वहीं, दिल्ली पुलिस के सुरक्षा के दावों की भी पोल खुल गई है। घटना का पता चलने पर दिल्ली पुलिस के आला अधिकारियों में हड़कंप मचा है।

निर्भया कांड के 14 साल बाद भी वही सवाल है कि आखिर देश की राजधानी दिल्ली में महिलाएं सुरक्षित क्यों नहीं हैं?

यह घटना दो-तीन दिन पुरानी बताई जा रही है। पुलिस की शुरुआती जांच के अनुसार, यह महिला एक फैक्ट्री में काम करती है। वह फैक्ट्री में काम करने के बाद रात में वापस अपने घर के लिए जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में एक प्राइवेट बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने महिला को बस में खींच लिया। इसके बाद करीब सात किमी तक बस को दौड़ाते रहे और दोनों ने बारी-बारी से महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया।

दिल्ली में चलती बस में हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले में नया

मोड़ आ गया है। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि महिला ने पैसों के विवाद के चलते सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया था। पुलिस इस एंगल पर गहनता से जांच कर रही है। घटना के दौरान दरिंदों ने यातायात नियमों को ताख पर रखकर स्लीपर बस की खिड़की के शीशों पर काली फिल्म लगाकर ढक दिया था। यही नहीं, सभी खिड़कियों पर पर्दे भी लगाए गए।

पुणे पुलिस का बड़ा एक्शन; VIP दौरे में अब नहीं दिखेगा लंबा-चौड़ा काफिला, आधा किया गया ताफा

मुन्ना मुजावर

पुणेः VIP सिटी टूर के दौरान सड़कों पर चलने वाली गाड़ियों की संख्या अब 50 परसेंट कर दी जाएगी। फ्यूल बचाने, सरकारी खर्च पर कंट्रोल और आसानी को प्राथमिकता देने की केंद्र और सरकार की पॉलिसी के मुताबिक, पुणे पुलिस ने VIP टूर में गाड़ियों की संख्या आधी करने का फैसला किया है। इसलिए, अब से शहर में VIP टूर कम गाड़ियों में किए जाएंगे।

फ्यूल और फॉरेन एक्सचेंज बचाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद, राज्य सरकार ने कई कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई एक हाई-लेवल मीटिंग में मंत्रियों के काफिले में गाड़ियों की संख्या तुरंत कम करने का फैसला किया गया है। संबंधित पुलिस कमिश्नर और पुलिस सुपरिटेंडेंट को यह पक्का करने की जिम्मेदारी दी गई है कि बाहर जाने वाले टूर के दौरान काफिले में तय संख्या से ज़्यादा

गाड़ियां न हों। पुणे पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने कहा कि इसी के मुताबिक, अब पुणे में भी काफिले में गाड़ियों की संख्या कम की जाएगी। अमितेश कुमार ने कहा, 'पहले, सिक्योरिटी और प्रोटोकॉल के हिसाब से VIP टूर के लिए आमतौर पर 12 से 13 गाड़ियों का काफिला रखा जाता था। लेकिन, अब यह संख्या घटाकर सिर्फ़ 5 से 6 गाड़ियां कर दी जाएंगी। खास बात यह है कि कई VIP पर्सनली कॉल करके अपने टूर के दौरान कम से कम गाड़ियों का इस्तेमाल करने की रिक्वेस्ट कर रहे हैं। राज्य में भी अब गैर-ज़रूरी मामलों को कम किया जा रहा है। राज्य लेवल से मंत्रियों और अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जब तक बहुत ज़रूरी न हो, सरकारी एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल न करें, पब्लिक ट्रांसपोर्ट का ज़्यादा इस्तेमाल करें, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए मीटिंग करें और सरकारी गाड़ियों का सख्ती से रिव्यू करें

ट्रैफिक जाम से राहतः पुणे की कई बड़ी सड़कों पर हमेशा ट्रैफिक जाम रहता है। VIP टूर के दौरान, गाड़ियों का एक बड़ा काफिला सड़क पर आ जाता था, जिससे कुछ समय के लिए संबंधित इलाके में ट्रैफिक में रुकावट आती थी। अक्सर ट्रैफिक सिग्नल बंद करने पड़ते थे और ट्रैफिक रोकना पड़ता था, जिससे आम लोगों को परेशानी होती थी। अब, VIP काफिले में गाड़ियों की संख्या आधी करने के फैसले से ट्रैफिक जाम कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। VIP काफिले में गाड़ियों की संख्या कम की जा रही है, साथ ही ज़रूरी सुरक्षा भी रखी जा रही है। अब टूर उसी हिसाब से प्लान किए जा रहे हैं। - **अमितेश कुमार, पुलिस कमिश्नर, पुणे सिटी**

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

पेपर लीक - लचर न्याय प्रक्रिया के साइड इफेक्ट

एक बार फिर नीट यूजी परीक्षा रद्द कर दी गई। पिछले दस सालों में यह चौथा मौका है जब देश की सर्वाधिक महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक नीट यूजी में पेपर लीक होने की घटना हुई है। नीट के अलावा पिछले दस सालों में लगभग सौ प्रतियोगी परीक्षाएं रद्द की गई हैं। विश्वगुरु होने का दावा करने वाले देश के लिये यह बेहद शर्मनाक घटना है। प्रतियोगी परीक्षा के पीछे केवल परीक्षार्थियों की मेहनत और महत्वाकांक्षा ही ध्वस्त नहीं होती, उनके परिवार के सपने भी टूटते हैं और सारा त्याग और सम्बल व्यर्थ हो जाता है। साथ ही देश के संसाधनों की बरबादी होती है और छात्रों का बहुमूल्य समय नष्ट होता है। उन्नत टेक्नोलॉजी के दौर में देश एक सुरक्षित और विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली विकसित नहीं कर पाता तो यह सिस्टम की घोर असफलता है। समय और संसाधनों की बरबादी के अलावा ऐसी घटनाओं से देश की प्रतिष्ठा हानि भी होती है।

सवाल यह है कि ऐसा होता क्यों है? इसके पीछे कई फैक्टर हैं जैसे छात्रों और उससे ज्यादा उनके परिवारों की महत्वाकांक्षा, गलाकाट प्रतिस्पर्धा, कोचिंग संस्थानों का रैकेट और काला धन। दरअसल पढ़ाई या नौकरी से संबंधित कोई भी प्रतियोगी परीक्षा शिक्षा व्यवस्था के दलालों और कोचिंग रैकेट के सरगनाओं के लिए एक कमाई का मौका बन जाती है। पेपर लीक तो सिर्फ पहली सीढ़ी है, उसके बाद मूल्यांकन में गड़बड़ी, मेरिट लिस्ट में हेराफेरी, अलॉटमेंट में जुगाड़ वगैरह सब पर शिक्षा माफिया का कंट्रोल होता है। अगर कहीं चूक हो जाए तो शोर मच जाता है वरना ये सब घोटाला बदस्तूर चलता रहता है।

लेकिन सबसे बड़ा फैक्टर है; हमारी लचर न्याय प्रक्रिया! समाज के हर क्षेत्र में बढ़ते हुए अपराध वास्तव में कमजोर न्याय प्रक्रिया का साइड इफेक्ट है। मसलन बीसियों बार पेपर लीक हो चुके हैं अथवा नियुक्ति प्रक्रिया रद्द की गई है मगर हमारी सरकारें कुछ सीखती ही नहीं। लोगों को वर्ष २०१३ में मध्यप्रदेश का बहुचर्चित और बदनाम व्यापम घोटाला जरूर याद होगा जिसमें अनेक अपात्रों को मेडीकल कॉलेजों में दाखिला और कई अन्य विभागों में नौकरी दिलाई गई थी। मगर यह किसी को याद नहीं होगा कि पुलिस की चार्ज शीट में लगभग ३००० लोगों के नाम होने के बाद बमुश्किल १०० लोगों को सजा हुई। वह भी लम्बी ट्रायल, जमानत और अपील वगैरह के बाद। ऐसा अमूमन हर घोटाले के साथ होता है। पकड़े जाने पर मीडिया में शोरगुल, आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन, जाँच और फिर कानूनी प्रक्रिया का लम्बा दौर। कई बार तो आरोप पत्र ही सालों बाद कोर्ट में पेश होता है। इस लेट लतीफी का लाभ लेकर जमानत पर छूटे चतुर अपराधी सबूतों और गवाहों की भूल भुलैया में केस उलझा देते हैं। आखिर में कुछ लोगों को दण्डित कर मामला खत्म कर दिया जाता है। इस सारी प्रक्रिया में सिस्टम से जुड़े उच्चाधिकारी साफ बच निकलते हैं क्योंकि उनके अलिखित आदेशों का कोई रिकॉर्ड ही नहीं होता। ये तमाशा केवल पेपर लीक और परीक्षाओं के मैनेज करने तक नहीं बल्कि हर तरह के भ्रष्टाचार में दिखाई देता है। ईडी, इन्कम टैक्स, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जीएसटी वगैरह किसी भी एजेंसी का मामला हो आखिर में अंजाम लगभग यही होता है। डकैती, रेप और हत्या जैसे संगीन अपराधों में भी न्याय प्रक्रिया की कमजोरी और लेट लतीफी आखिर अपराधियों को ही लाभ पहुंचाती है।

RTE प्रवेश में बड़ा फर्जीवाड़ाः

मीरा-भायंदर में २९ फर्जी आय प्रमाणपत्र पकड़े गए

गरीब बच्चों के हक पर डाका, फ्री एडमिशन के लिए बनाए गए नकली दस्तावेज

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा भायंदरः मीरा भायंदर महानगरपालिका के शिक्षा विभाग ने आरटीई (राइट टू एजुकेशन) प्रवेश प्रक्रिया में बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा किया है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए आरक्षित सीटों पर प्रवेश पाने के लिए 29 फर्जी आय प्रमाणपत्र जमा किए गए थे। दस्तावेजों की जांच के दौरान यह गंभीर मामला सामने आने से शिक्षा और राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया है।

आरटीई कानून के तहत निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के विद्यार्थियों के लिए आरक्षित होती हैं। आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए मीरा-भायंदर क्षेत्र की 37 से अधिक निजी स्कूलों में करीब 298 सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया चलाई गई थी। इसके लिए 670 से अधिक ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए थे।

जांच के दौरान शिक्षा विभाग ने कुछ आय प्रमाणपत्रों पर लगे बारकोड स्कैन किए, लेकिन उनका रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध नहीं मिला। इसके बाद सभी दस्तावेजों की विस्तृत जांच की गई, जिसमें 29 प्रमाणपत्र पूरी तरह फर्जी पाए गए।

प्राथमिक जांच में सामने आया कि मूल प्रमाणपत्र किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर जारी किए गए थे, लेकिन उनमें नाम बदलकर शिक्षा विभाग में जमा किया गया। कुछ दस्तावेजों पर ऐसे तहसीलदारों के हस्ताक्षर पाए गए जो उस समय मीरा-भायंदर में पदस्थ ही नहीं थे। अधिकारियों को आशंका है कि यह संगठित रैकेट का हिस्सा हो सकता है।

सूत्रों के अनुसार, अधिकांश फर्जी प्रमाणपत्र मीरा रोड के नयानगर इलाके से जुड़े हुए हैं। इस मामले की जानकारी राजस्व विभाग और पुलिस को दे दी गई है। नायब तहसीलदार प्रथमेश बुरके ने नया नगर पुलिस स्टेशन को पत्र लिखकर मामले की जांच और दोषियों पर आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की है।

जांच एजेंसियों को शक है कि सभी नकली प्रमाणपत्र एक ही स्थान पर तैयार किए गए। मामले में एक स्थानीय महिला राजनीतिक नेता के पति की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

बताया जा रहा है कि कई अभिभावकों से फर्जी आय प्रमाणपत्र बनवाने के लिए 2500 से 4000 रुपये तक वसूले गए। कई अभिभावकों ने इन्हें असली समझकर जमा किया, लेकिन फर्जीवाड़ा सामने आने और आवेदन की समयसीमा समाप्त होने के बाद उन्हें दोबारा दस्तावेज जमा करने का मौका नहीं मिला। अब ऐसे कई परिवारों को बच्चों का दाखिला निजी स्कूलों में भारी फीस देकर कराना पड़ सकता है।

इस फर्जीवाड़े के कारण वास्तविक गरीब और जरूरतमंद बच्चों का हक प्रभावित हुआ है, जिससे अभिभावकों में भारी नाराजगी है। प्रशासन ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है।

भायंदर का पोस्ट ऑफिस महीनों से बंद, लाखों नागरिक परेशान

मूलभूत डाक सेवाओं के अभाव पर नागरिकों में आक्रोश, जनप्रतिनिधियों पर उपेक्षा का आरोप

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा भायंदरः भायंदर पूर्व इलाके में स्थित पोस्ट ऑफिस पिछले कई महीनों से बंद होने के कारण नागरिकों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। शहर की 15 से 16 लाख आबादी के बीच केवल मीरा रोड और भायंदर पश्चिम में दो पोस्ट ऑफिस संचालित होने से हजारों लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

भायंदर पूर्व के बी.पी. रोड स्थित पोस्ट ऑफिस की इमारत को खतरनाक घोषित किए जाने के बाद इसे अस्थायी रूप से जेसल पार्क खाड़ी क्षेत्र में स्थानांतरित किया गया था। हालांकि, अगस्त महीने से यह पोस्ट ऑफिस पूरी तरह बंद है। डाक विभाग के अधिकारियों के अनुसार, उपयुक्त जगह उपलब्ध नहीं होने के कारण सेवाएं बंद रखी गई हैं।

पोस्ट ऑफिस बंद होने से भायंदर पूर्व के नागरिकों को डाक, बैंकिंग, बचत योजनाओं, सरकारी दस्तावेजों और पार्सल सेवाओं के लिए भायंदर पश्चिम या मीरा रोड तक जाना पड़ रहा है। इससे वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, छात्रों और आम लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

मौजूदा पोस्ट ऑफिसों में लंबी कतारें, शेड की कमी, पीने के पानी और पार्किंग जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव भी नागरिकों की परेशानी बढ़ा रहा है। नागरिकों ने आरोप लगाया है कि चुनाव से पहले पोस्ट ऑफिस दोबारा शुरू करने के वादे करने वाले जनप्रतिनिधि अब पूरी तरह निष्क्रिय हो चुके हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता हर्षद ढ़ागे ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि विकसित शहर होने के दावों के बावजूद नागरिकों को मूलभूत केंद्र सरकारी सेवाओं के लिए भटकना पड़ रहा है, जो प्रशासनिक विफलता का प्रतीक है।

उन्होंने मांग की कि भायंदर पूर्व में तत्काल नई जगह उपलब्ध कराकर पोस्ट ऑफिस दोबारा शुरू किया जाए, नागरिकों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और बढ़ती आबादी को देखते हुए मीरा-भायंदर में नए पोस्ट ऑफिस खोले जाएं।

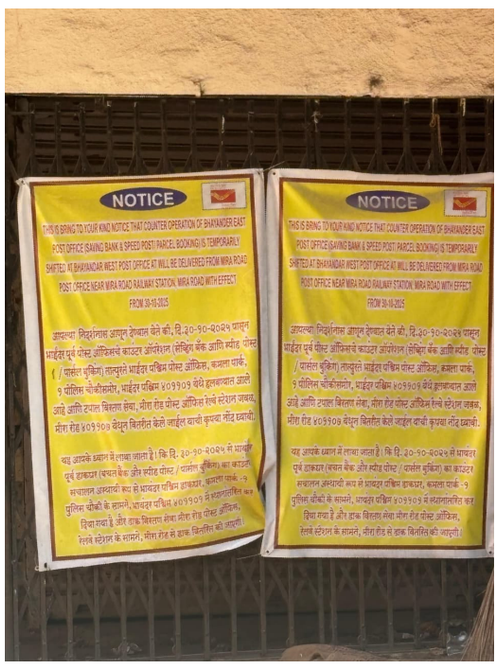

JANSEVA SOCIAL FOUNDATION
Non Goverment Organization
Reg. No. F-75914

NITI AYOG 12A,80G & CSR Registered

DONATE FOR POOR AND UNDERPRIVILEGED

Contact us 9930026943

SBI BANK
JANSEVA SOCIAL FOUNDATION
Account No:.39171751769
IFS Code : SBIN0012959
www.jansevasocialfoundation.com

701/ C Wing crystal Plaza opposite infinity mall Andheri West

• DESIGNER FURNITURE SETS
• BWR PLYWOOD FURNITURE
• WARDROBES
• TV UNIT
• COFFEE TABLE
• BED
• STORAGE
• SHOE UNIT

The RISA Co

VISIT OUR WEBSITE
www.therisaco.com
+91 9892528992

अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर बना रही पहचान

ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के बाद बॉलीवुड की एक और अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने की तैयारी कर रही हैं। दिशा पाटनी की पहली इंटरनेशनल फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसने काफी चर्चा बटोर ली है।

यह फिल्म एक काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया की कहानी पर आधारित है। 'स्टेटिगाड्र्स वर्सेज होलीगाड्र्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की यह पहली कड़ी है। फिल्म की कहानी लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार की है। इसमें दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष को दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में संतुलन और नियम बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग विचारधारा और नई दिशा का समर्थन करता है। इसी टकराव के बीच दिशा पाटनी का किरदार जेसिका सबसे अहम भूमिका में नजर आता है। फिल्म में जेसिका को एक ऐसी युवती के रूप में दिखाया गया है, जिसका संबंध दोनों विरोधी गुटों से है। वह दोनों पक्षों के नेताओं की बेटी है और इसी वजह से उसे दो दुनियाओं के बीच एक मजबूत कड़ी माना जाता है। कहानी में दुनिया का भविष्य उसके फैसलों पर निर्भर करता दिखाई देता है। ट्रेलर में यह भी दिखाया गया है कि जेसिका अपनी रहस्यमयी शक्तियों को समझने और नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। उसके सामने सिर्फ दुश्मनों से लड़ने की चुनौती नहीं है, बल्कि अपनी असली पहचान खोजने और सही रास्ता चुनने की जिम्मेदारी भी है।

ट्रेलर में दिशा पाटनी के कई दमदार एक्शन दृश्य देखने को मिलते हैं। वह तलवारबाजी से लेकर रहस्यमयी शक्तियों का इस्तेमाल करती नजर आती हैं। उनके एक्शन सीक्वेंस और स्क्रीन प्रेजेंस ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। फिल्म की स्टार कास्ट भी काफी मजबूत मानी जा रही है।

सीएसके के तेज गेंदबाज ओवरटन चोटिल होकर बाहर हुए

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पहले से ही अपने खिलाड़ियों की खराब फिटनेस से परेशान सीएसके का एक और खिलाड़ी चोटिल होकर बाहर हो गया है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन भी जांघ में खिंचाव के बाद स्वदेश लौट गए हैं। फ्रेंचाइजी ने ये जानकार सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की है। इससे टीम को अब लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में ओवरटन का विकल्प खोजना पड़ेगा।

ओवरटन को हालांकि फ्रेंचाइजी ने अभी आधिकारिक तौर पर सत्र से बाहर नहीं किया है पर माना जा रहा है कि उनकी चोट गंभीर है, इसलिए उनकी वापसी शायद ही संभ हो। ओवरटन को तेज गति और ऑलराउंडर होने के कारण टीम में जगह मिली थी। उम्मीद की जा रही थी कि वह मध्य के ओवरों में टीम की गेंदबाजी संभालेंगे पर अब उनके बाहर होने से टीम को रणनीति बदलने के साथ ही उनका विकल्प खोजना होगा।

यह पहली बार नहीं है जब चेन्नई सुपर किंग्स इस सीजन में चोटों से परेशान हुई है। इससे पहले भी टीम के कई प्रमुख खिलाड़ी चोटिल होकर बाहर हो चुके हैं, जिससे टीम प्रबंधन को लगातार संयोजन में बदलाव करने पड़े हैं। हाल ही में, रामकृष्णा घोष की जगह कर्नाटक के मैकनील नोरोन्हा को टीम में शामिल किया गया था। अब ओवरटन जैसे ऑलराउंडर के बाहर होने से टीम को उनकी कमी खलेगी, जिससे विदेशी खिलाड़ियों के संयोजन में और बदलाव करने पड़ सकते हैं। टीम को अब अन्य तेज गेंदबाजी विकल्पों, जैसे कि घरेलू प्रतिभाओं या बचे हुए विदेशी खिलाड़ियों में से किसी एक को मौका देने के बारे में सोचना होगा, जिससे गेंदबाजी में गहराई बनी रहे।

संदीप कर्णिक के नेतृत्व में नासिक पुलिस ने खोले कई हाईप्रोफाइल मामलों के राज

नासिक। पिछले छह से आठ महीनों के दौरान नासिक लगातार बड़े अपराधों, सनसनीखेज खुलासों और हाईप्रोफाइल मामलों को लेकर सुर्खियों में रहा। कभी महिलाओं के उत्पीड़न का मामला सामने आया, तो कभी पेपर लीक, जमीन घोटाले और संगठित अपराध ने शहर की कानून व्यवस्था को चुनौती दी। इन घटनाओं के बीच पुलिस आयुक्त संदीप कार्णिक के नेतृत्व में नासिक पुलिस ने आक्रामक कार्रवाई करते हुए कई बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया। सबसे ज्यादा चर्चा नासिक स्थित टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस बीपीओ केंद्र में सामने आए महिला उत्पीड़न और कथित धर्मांतरण मामले की रही। महिला कर्मचारियों की शिकायतों के बाद पुलिस ने विशेष जांच दल गठित किया। जांच को गोपनीय रखने के लिए महिला पुलिसकर्मियों को कर्मचारी बनाकर कंपनी में भेजा गया। जांच आगे बढ़ने पर कई अधिकारियों और टीम लीडरों की भूमिका सामने आई, जिसके बाद गिरफ्तारियों का दौर शुरू हुआ। राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा संबंधी नियमों के उल्लंघन की पुष्टि की। इसी दौरान खुद को आध्यात्मिक गुरु बताने वाले अशोक खरात पर महिलाओं के यौन शोषण, ब्लैकमेलिंग, धोखाधड़ी और अंधविश्वास कानून उल्लंघन जैसे गंभीर आरोप लगे। पुलिस ने डिजिटल साक्ष्य, बैंक खातों के लेनदेन और पीड़ित महिलाओं के बयान जुटाकर मामले की गहराई से जांच की। इस प्रकरण में कई प्रभावशाली लोगों से पूछताछ होने से मामला और अधिक चर्चाओं में आ गया। वहीं म्हाडा यानी महाराष्ट्र गृहनिर्माण व क्षेत्र विकास प्राधिकरण की आरक्षित जमीन से जुड़े घोटाले ने भी प्रशासनिक तंत्र को हिला दिया।जांच में सामने आया कि गरीबों के लिए आरक्षित जमीन को

फर्जी दस्तावेज, नकली सरकारी मुहर और जाली नक्शों के जरिए निजी परियोजनाओं में बदलने की कोशिश की गई। पुलिस ने बिल्डरों, सरकारी अधिकारियों और राजस्व विभाग के कर्मचारियों पर कार्रवाई करते हुए कई अहम दस्तावेज जब्त किए। देशभर में चर्चा का विषय बने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 पेपर लीक मामले में भी नासिक का नाम सामने आने से खलबली मच गई। जांच एजेंसियों को पता चला कि प्रश्नपत्र की प्रतियां नासिक तक पहुंचाई गई थीं और सोशल मीडिया के जरिए आगे भेजी गईं। केंद्रीय जांच एजेंसी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। इसके अलावा भाषा विवाद को लेकर कोचिंग सेंटर में हमला, मादक पदार्थ तस्करी, गैंग नेटवर्क और उगाही गिरोहों के खिलाफ भी नासिक पुलिस ने लगातार अभियान चलाए। पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक के नेतृत्व में शुरू किए गए 'कायद्याचा बालेकिल्ला' अभियान के तहत हिस्ट्रीशीटर अपराधियों, नशा तस्करों और संगठित गिरोहों पर शिकंजा कसने के लिए विशेष मुहिम चलाई गई। सीसीटीवी विश्लेषण, साइबर ट्रैकिंग, सोशल मीडिया निगरानी और गुप्त ऑपरेशनों के जरिए नासिक पुलिस ने कई मामलों की तह तक पहुंचने का दावा किया है। पिछले महीनों में सामने आए इन मामलों ने न केवल नासिक की कानून व्यवस्था को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में ला दिया, बल्कि महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस की कार्यप्रणाली को भी सुर्खियों में ला खड़ा किया।

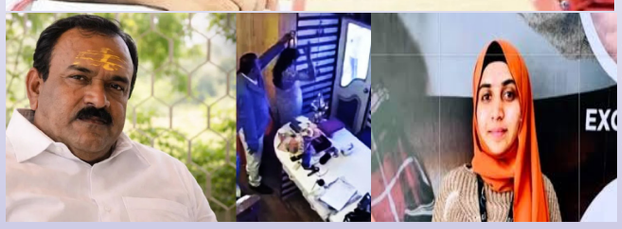

बडनेरा बस डिपो बना चोरों और असामाजिक तत्वों का अड्डा, महिला का पर्स चोरी; लाखों के जेवरात गायब

अमरावती। बडनेरा बस डिपो परिसर में लगातार बढ़ रही चोरी और असामाजिक घटनाओं ने यात्रियों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया

है। ताजा मामले में बस यात्रा के दौरान एक महिला का पर्स चोरी हो गया, जिसमें नकदी सहित लाखों रुपये के सोने के जेवरात रखे थे। जानकारी के अनुसार महिला अपने भाई के घर यवतमाल जाने के लिए पुसद जाने वाली बस में सवार हुई थी। बस शुरू होने के बाद जब कंडक्टर टिकट के पैसे मांगने पहुंचा, तब महिला ने पर्स खोलकर पैसे निकालने की कोशिश की। इसी दौरान उसे पता चला कि पर्स के अंदर रखा छोटा पाउच गायब है। महिला के अनुसार चोरी हुए पाउच में करीब 6 हजार रुपये नकद, 35 ग्राम सोने के जेवरात तथा काले मनियों वाली सोने की पोत रखी हुई थी। चोरी हुए माल की कुल कीमत करीब 1 लाख 16 हजार रुपये बताई जा रही है। घटना के बाद महिला ने शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद बडनेरा बस डिपो की सुरक्षा व्यवस्था फिर सवालों के घेरे में आ गई है। नागरिकों का कहना है कि डिपो परिसर में आए दिन चोरी, जेबकतरी और महिलाओं से छेड़छाड़ जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। देर रात तक असामाजिक तत्व खुलेआम घूमते नजर आते हैं, जिससे यात्रियों में भय का माहौल बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों और यात्रियों ने अब डिपो परिसर में स्थायी पुलिस चौकी स्थापित करने और हर कोने में CCTV कैमरे लगाने की मांग तेज कर दी है। उनका कहना है कि बस डिपो जैसे भीड़भाड़ वाले स्थान पर सुरक्षा व्यवस्था का अभाव अपराधियों के हौसले बढ़ा रहा है। यदि समय रहते पुलिस चौकी और निगरानी व्यवस्था शुरू नहीं की गई, तो भविष्य में और गंभीर घटनाएं सामने आ सकती हैं।

बडनेरा में तेज रफ्तार ट्रैवल्स बस की मोपेड को जोरदार टक्कर, युवक गंभीर घायल

अमरावती। बडनेरा के वरुडा हाईवे रोड पर गुरुवार रात करीब साढ़े 8 से 9 बजे के बीच एक तेज रफ्तार निजी ट्रैवल्स बस ने मोपेड सवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर लगते ही मोपेड चालक सड़क पर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार 'सिया राम' नामक निजी ट्रैवल्स वाहन ने क्रमांक MH 27 CE 0291 मोपेड को जोरदार टक्कर मारी। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में नागरिक घटनास्थल पर जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल युवक की मदद करते हुए 108 एम्बुलेंस को सूचना दी।

प्राथमिक सहायता के बाद घायल को गंभीर हालत में उपचार के लिए जिला सामान्य अस्पताल भेजा गया। घटना के बाद कुछ समय तक हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा। नागरिकों का कहना है कि हाईवे पर तेज रफ्तार निजी ट्रैवल्स और भारी वाहनों की लापरवाही लगातार हादसों को बढ़ावा दे रही है, लेकिन प्रशासन की ओर से प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

माहीम में युवक की पीट-पीटकर हत्या, रहेजा अस्पताल गेट के बाहर 6 आरोपियों ने किया हमला; 5 हिरासत में

मुंबई के माहीम इलाके में सोमवार सुबह एक 22 वर्षीय पुरुष युवक की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। यह घटना सुबह करीब 5:30 बजे Raheja Hospital के गेट के पास हुई, जहां मामूली कहासुनी के बाद 6 आरोपियों ने

युवक पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में सामने आया है कि मृतक और आरोपी नंबर-1 के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। देखते ही देखते बहस हिंसक झड़प में बदल गई और आरोपियों ने युवक को हाथों और मुक्कों से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। घटना के बाद घायल युवक को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। माहिम पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान नया नगर निवासी सोहेल शेख के रूप में हुई है।

माहीम पुलिस स्टेशन में इस मामले में ऐं नंबर 301/26 दर्ज किया गया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (ँए) की धारा 103, 115, 189, 190, 191 और 352 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 5 आरोपियों को हिरासत में ले लिया है, जबकि फरार एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है। उसे पकड़ने के लिए पुलिस की विशेष टीमें रवाना की गई हैं। अधिकारियों के मुताबिक, घटनास्थल के आसपास लगे ण्ऊ‍ कैमरों की जांच की जा रही है और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हमला अचानक हुआ या इसके पीछे पुरानी दुश्मनी और अन्य कारण थे।

अमरावती के आजादनगर में एमडी पाउडर के साथ आरोपी गिरफ्तार

अमरावती- शहर में नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आजादनगर मैदान परिसर से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच की इस कार्रवाई में लाखों रुपये का एमडी ड्रग्स और अन्य सामान जब्त किया गया, जिससे शहर में अवैध मादक पदार्थ तस्करी पर एक बड़ा वार माना जा रहा है। पुलिस ने जाल बिछाकर 45 वर्षीय इलियास अली महबूब अली, निवासी अंसार नगर, अमरावती को हिरासत में लिया। आरोपी के पास से 27.4 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) पाउडर बरामद किया गया, जिसकी कीमत करीब 4 लाख 10 हजार रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा एक मोपेड, मोबाइल फोन और अन्य सामग्री सहित कुल लगभग 4 लाख 91 हजार रुपये का मुद्देमाल जब्त किया गया। इस मामले में गाडगे नगर पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त राकेश ओला के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक संदीप चव्हाण और उनकी टीम ने अंजाम दी। पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि अमरावती में एमडी जैसे घातक नशे के कारोबार और सेवन के खिलाफ आने वाले दिनों में और भी सख्त अभियान चलाया जाएगा।

अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के मुंबई समेत 7 ठिकानों पर CBI की छापेमारी! 27,337 करोड़ के घोटाले का है मामला

केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस एडीए ग्रुप से जुड़े एक मामले में मुंबई, गुरुग्राम और बेंगलुरु में कुल 7 जगहों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई रिलायंस कम्युनिकेशन के खिलाफ दर्ज एक मामले के सिलसिले में की गई है।

मिली जानकारी के मुताबिक, CBI ने गुरुवार को यह तलाशी मुंबई की एक विशेष अदालत द्वारा जारी तलाशी वारंट के आधार पर की। यह छापेमारी कंपनी में वर्ष 2015 से 2017 के बीच कार्य करने वाले पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों के आवासों पर की गई। इनमें तत्कालीन मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO), मुख्य वित्तीय अधिकारी (ण्इध्) और निदेशक स्तर के अधिकारी शामिल बताए जा रहे हैं। तलाशी के दौरान कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

क्या है मामला?

मिली जानकारी के अनुसार, यह मामला विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) द्वारा दर्ज शिकायतों से जुड़ा है। इन शिकायतों के आधार पर CBI ने पिछले कुछ महीनों में रिलायंस एडीए समूह के खिलाफ कुल 7 अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। इन मामलों में हजारों करोड़ रुपए की वित्तीय अनियमितताओं और कथित घोटालों का आरोप लगाया गया है, जिनमें अनुमानित नुकसान लगभग 27,337 करोड़ रुपए बताया जा रहा है।

पिछले महीने 31 जगहों पर थी छापेमारी

जांच एजेंसी इससे पहले भी इस मामले से जुड़े कई स्थानों पर तलाशी अभियान चला चुकी है। पिछले महीनों में सीबीआई ने लगभग 31 जगहों पर छापेमारी की थी और कई दस्तावेज व डिजिटल साक्ष्य एकत्र किए थे। इसके अलावा, इसी मामले में दो वरिष्ठ अधिकारियों को 20 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार किए गए अधिकारियों में डी. विश्वनाथ और अनिल काल्या

शामिल हैं, जो बैंकिंग और वित्तीय लेन-देन से जुड़े कार्यों को संभालते थे। दोनों आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

यह भी बताया गया है कि अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह से जुड़े इन मामलों की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के तहत की जा रही है। जांच एजेंसियां पूरे मामले में धन के लेन-देन, बैंकिंग प्रक्रियाओं और कंपनी के वित्तीय निर्णयों की गहन जांच कर रही हैं।

पिछले शनिवार को भी सीबीआई ने मुंबई में 17 ठिकानों पर छापेमारी की थी। यह कार्रवाई रिलायंस टेलीकॉम, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस, रिलायंस होम फाइनेंस और उनके निदेशकों के खिलाफ दर्ज तीन मामलों के संबंध में की गई थी।

NEET Paper Leak मामले में बड़ा खुलासा, लातूर में रिटायर्ड प्रोफेसर के घर CBI का छापा, मोबाइल और दस्तावेज जब्त

देशभर में तहलका मचाने वाले मेडिकल प्रवेश परीक्षा यानी नीट (ङ्क-ळ३) पेपर लीक मामले का महाराष्ट्र कनेक्शन अब और गहराता जा रहा है। नासिक, अहिल्यानगर और पुणे के बाद अब इस घोटाले के तार महाराष्ट्र के प्रमुख शैक्षणिक केंद्र लातूर से जुड़ गए हैं। ऍछ की टीम ने एक बेहद गुप्त और बड़ी कार्रवाई करते हुए लातूर में एक रिटायर्ड प्रोफेसर के घर पर आधी रात को छापेमारी की है। इस दौरान प्रोफेसर के घर की पूरी तलाशी ली गई और उनका मोबाइल फोन व कई संदिग्ध दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

पुणे की मनीषा वाघमारे से जुड़े हैं तार

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस मामले में पुणे पुलिस ने बुधवार को बिबवेवाड़ी इलाके से मनीषा वाघमारे नामक एक महिला को गिरफ्तार किया था, जो वहां ब्यूटी पार्लर चलाती है। मनीषा को बाद में आगे की जांच के लिए ऍछ के हवाले कर दिया गया था। सीबीआई की कड़ाई से की गई पूछताछ और मनीषा के फोन के कॉल डिटेल्स रिकॉर्ड (ण्ड्ढ) की जांच में लातूर के इस रिटायर्ड प्रोफेसर का नाम सामने आया। सीडीआर से यह साफ हुआ है कि मनीषा और इस प्रोफेसर के बीच लगातार बातचीत हो रही थी। इसी सुराग के आधार पर सीबीआई की दो टीमें बुधवार-गुरुवार की दरम्यानी रात को लातूर पहुंचीं।

क्या पेपर सेटिंग प्रक्रिया में शामिल था प्रोफेसर?

शिक्षा के लातूर पैटर्न के लिए देशभर में मशहूर इस शहर में इस कार्रवाई से शैक्षणिक जगत में हड़कंप मच गया है। सीबीआई अब इस मुख्य बिंदु पर जांच कर रही है कि क्या यह रिटायर्ड प्रोफेसर सीधे तौर पर ङ्क का पेपर सेट करने वाली सीक्रेट प्रोसेस में सक्रिय रूप से शामिल था? इसके अलावा, प्रोफेसर के मोबाइल और बैंक खातों की भी जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इस दौरान उनके बीच कोई बड़ा वित्तीय लेनदेन भी हुआ था।

कोचिंग सेंटरों और कॉलेजों पर ऍछ की नजर

सीबीआई की टीमें अब लातूर के विभिन्न प्रतिष्ठित कॉलेजों और खासकर वहां के मशहूर प्राइवेट ट्यूशन एरिया की भी बारीकी से छानबीन कर रही हैं। जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि इस रिटायर्ड प्रोफेसर के संबंध लातूर के किन-किन बड़े कोचिंग क्लास संचालकों या कॉलेज के

अधिकारियों से थे। इससे पहले भी लातूर के कुछ निजी क्लास संचालकों से पूछताछ की जा चुकी है।

आधी रात को हुई बेहद गुप्त कार्रवाई

लातूर में दाखिल हुई सीबीआई की दोनों टीमों ने इस पूरी कार्रवाई को बेहद गोपनीय रखा। स्थानीय पुलिस को भी इसकी भनक नहीं लगने दी गई। आधी रात के बाद प्रोफेसर के घर पहुंचकर टीम ने अचानक तलाशी शुरू की। करीब कई घंटों तक चली इस कार्रवाई के बाद अहम डिजिटल सबूत और कागजात कब्जे में लिए गए। हालांकि, प्रोफेसर को हिरासत में लेकर टीम लातूर में ही किसी गुप्त स्थान पर पूछताछ कर रही है या उन्हें लेकर रवाना हो गई है, इस बारे में अभी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। लेकिन इस कार्रवाई ने यह साफ कर दिया है कि नीट पेपर लीक के इस रैकेट की जड़ें महाराष्ट्र में बेहद गहराई तक फैली हुई हैं।

गुलाबो गैंग और बिटिया फाउंडेशन का मोदी सरकार के खिलाफ व्यंग्यात्मक आंदोलन

'झालमोरी बेचो, सोना मत बेचो' आंदोलन से लक्ष्मी रोड परिसर गूंज उठा

मुन्ना मुजावर

पुणे, दिनांक 14 मई 2026 – पुणे के लक्ष्मी रोड स्थित शगुन चौक में आज गुलाबो गैंग और बिटिया फाउंडेशन की ओर से केंद्र की मोदी सरकार की नीतियों के विरोध में अनोखा और व्यंग्यात्मक आंदोलन किया गया। 'झालमोरी बेचो, सोना मत बेचो' जैसे अनोखे नारों के जरिए सरकार की आर्थिक नीतियों पर तीखा हमला बोला गया।

मोदी सरकार द्वारा नागरिकों से अगले एक वर्ष तक सोना नहीं खरीदने की अपील किए जाने की पृष्ठभूमि में यह आंदोलन आयोजित किया गया। आंदोलन के दौरान कार्यकर्ताओं ने शगुन चौक के विभिन्न सराफा दुकानों में जाकर दुकानदारों को प्रतीकात्मक रूप से 'झालमोरी बेचने' की सलाह दी। महिलाओं ने हाथों में झालमोरी लेकर नागरिकों और दुकानदारों को उसका वितरण किया तथा सरकार की नीतियों पर व्यंग्यात्मक अंदाज में विरोध दर्ज कराया।

इस दौरान अष्टेकर सराफ के सचिन अष्टेकर भी मौके पर उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं ने उन्हें भी प्रतीकात्मक रूप से झालमोरी भेंट कर 'झालमोरी बेचने' का संदेश दिया।

इस आंदोलन का आयोजन सामाजिक कार्यकर्ता संगीता तिवारी द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में गुलाबो गैंग और बिटिया फाउंडेशन की कई महिला पदाधिकारी मौजूद रहीं, जिनमें शोभा पणीकर, भारतीय लोंढे, कीर्ति जाधव, पारुल ताई सहित अन्य कार्यकर्ताओं का समावेश था।

आयोजकों ने कहा कि बढ़ती महंगाई, आर्थिक दबाव और सरकार की लगातार बदलती नीतियों से आम नागरिकों पर पड़ रहे प्रभाव की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए यह आंदोलन किया गया। आपसे विनम्र अनुरोध है कि इस आंदोलन को अपने समाचार पत्र, न्यूज चैनल एवं डिजिटल मीडिया के माध्यम से प्रमुखता से प्रकाशित करें।

ब्यूटी पार्लर में नसरापुर कांड का जिक्र, जातिसूचक गालियां देने वाली महिला गिरफ्तार

मुन्ना मुजावर

पिंपरीः ओल्ड सांगवी के एक ब्यूटी पार्लर में एक महिला कस्टमर और उसकी जाति के बारे में बहुत ही अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करके सरेआम बेइज्जत करने का मामला सामने आया है। यह घटना 12 मई की शाम की है।

इस मामले में एक महिला ने सांगवी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। इसके अनुसार, आरोपी महिला के खिलाफ इंडियन पीनल कोड और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार रोकथाम) एक्ट (अत्याचार) के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, जब शिकायतकर्ता पार्लर का काम खत्म करने के बाद पेमेंट करने के लिए काउंटर पर बैठी थी, तो वह पार्लर की महिला मालिक से किसी आम बात पर बात करने लगी। उस समय वहां मौजूद आरोपी महिला ने भी चर्चा में हिस्सा लिया। नसरपुर में हुई एक घटना का जिक्र किया गया। आरोपी महिला ने शिकायतकर्ता की जाति के बारे में बहुत ही आपत्तिजनक और घटिया भावनाएँ व्यक्त कीं। उसने दूसरे कस्टमर और कर्मचारियों के सामने महिला का अपमान किया। सांगवी पुलिस जांच कर रही है।

पुलिस जवानों के लिए सरकार का बड़ा ऐलान; महाराष्ट्र में हाउसिंग योजना से मिलेंगी पक्की छतें

मुन्ना मुजावर

पुणेः राज्य सरकार ने राज्य में पुलिस के लिए एक अच्छे घर के सपने को पूरा करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने पुलिस अधिकारियों और सिविल सेवकों को घर बनाने के लिए फाइनेंशियल मदद देने का फैसला किया है। इसके लिए, होम डिपार्टमेंट ने महाराष्ट्र स्टेट पुलिस हाउसिंग एंड वेलफेयर कॉर्पोरेशन के ज़रिए 1,768 करोड़ रुपये के लोन को मंज़ूरी दी है। यह लोन महाराष्ट्र स्टेट कोऑपरेटिव बैंक उठाएगा।

राज्य सरकार ने पहले इस स्कीम के तहत 9,781 पुलिस अधिकारियों और सिविल सेवकों को फाइनेंशियल मदद देने का फैसला किया था। उसके बाद, सितंबर 2023 और 31 दिसंबर, 2024 के बीच मिले घर बनाने के एडवांस प्रपोज़ल के आधार पर 5,459 और प्रपोज़ल को मंज़ूरी दी गई। इसके लिए, हाउसिंग बोर्ड ने सभी सेक्टर के बैंकों से टेंडर मंगाए थे। इसमें नेशनलाइज़्ड, प्राइवेट और कोऑपरेटिव बैंकों ने हिस्सा लिया। सबसे कम इंटरेस्ट रेट और दूसरी आकर्षक शर्तों के आधार पर, महाराष्ट्र स्टेट कोऑपरेटिव बैंक का टेंडर फाइनल किया गया। बैंक एडमिनिस्ट्रेटर विद्याधर अनास्कर ने बताया कि राज्य के हज़ारों पुलिस अधिकारियों और सिविल सेवकों को इस स्कीम का फ़ायदा मिलेगा। स्टेट कोऑपरेटिव बैंक ने पुलिस फोर्स के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए घरों के मामले में राज्य सरकार के फैसले को फाइनेंशियल मदद दी है। इससे हजारों पुलिस परिवारों को अपना घर खरीदने का सपना पूरा करने में मदद मिलेगी। ऐसी पहलों के जरिए, स्टेट कोऑपरेटिव बैंक ने कमर्शियल बैंकिंग के साथ-साथ सोशल बैंकिंग को भी बनाए रखा है। अनास्कर ने कहा कि पहली बार, स्टेट कोऑपरेटिव बैंक राज्य सरकार द्वारा अप्रूव्ड संस्थाओं के टेंडर प्रोसेस में हिस्सा लेने में सफल रहा है।

जिला सेंट्रल बैंकों में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता

राज्य सरकार ने अब राज्य में जिला सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंकों द्वारा आयोजित भर्ती प्रोसेस में स्थानीय उम्मीदवारों को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। इसके अनुसार, बैंक में 70 प्रतिशत सीटें संबंधित जिले के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगी, और बाकी 30 प्रतिशत सीटें जिले के बाहर के उम्मीदवारों के लिए खुली रहेंगी। हालांकि, यह साफ किया गया है कि अगर जिले के बाहर पर्याप्त सीटें उपलब्ध नहीं हैं, तो उन सीटों को स्थानीय उम्मीदवारों से भरा जा सकता है। कोऑपरेटिव, मार्केटिंग और टेक्सटाइल डिपार्टमेंट ने हाल ही में इस बारे में सरकार का फैसला पब्लिश किया है।

घूस लेते रंगेहाथ पकड़ी गई महिला पुलिस अफसर, पुणे में ACB का ताबड़तोड़ एक्शन; 7 दिन में दो महिला अधिकारी गिरफ्तार

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुणे पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग की असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर वैशाली टोटेवार के एक बिचौलिए के ज़रिए 28 लाख रुपये की रिश्वत लेने का

मामला अभी ताज़ा ही था कि एंटी-करप्शन ब्यूरो (ACB) ने पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस कमिश्नरेट के बावधन पुलिस स्टेशन में पोस्टेड असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर ज्योति तांबे के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। ACB टीम ने यह कार्रवाई तब की जब पता चला कि तांबे ने किसी से 50,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी।

इस मामले में, बावधन पुलिस स्टेशन की असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर ज्योति पांडुरंग तांबे (उम्र 41, अभी ड्रीम रिदम सोसायटी, पाटिल नगर, बावधन में रहती हैं) के खिलाफ केस दर्ज किया गया। इस मामले में तांबे को देर रात हिरासत में लिया गया। एंटी-करप्शन ब्यूरो की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, शिकायत करने वाले और उसके रिश्तेदारों के खिलाफ बावधन पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया। असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर तांबे ने इस केस में मदद करने, उसे गिरफ्तार न करने और जल्द से जल्द चार्जशीट फाइल करने के लिए शिकायत करने वाले से 50,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी।

शिकायत करने वाले ने उसे पहली किस्त के तौर पर 50,000 रुपये की रिश्वत दी थी। बाद में उसने समझौते के तौर पर और पैसे मांगे। एंटी-करप्शन ब्यूरो में शिकायत दर्ज होने के बाद वेरिफिकेशन किया गया। जांच के बाद पता चला कि तांबे ने रिश्वत मांगी थी, उसे देर रात हिरासत में ले लिया गया। उसके खिलाफ बावधन पुलिस स्टेशन में प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। असिस्टेंट कमिश्नर नीता मिसाल ने सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस शिरीष सरदेशपांडे, एडिशनल सुपरिंटेंडेंट अजीत पाटिल, अर्जुन भोसले के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की। पुलिस इंस्पेक्टर सुहास हट्टेकर जांच कर रहे हैं।

एंटी-करप्शन ब्यूरो (ACB) ने रिश्वत मामले में पुणे पुलिस फोर्स के तीन अधिकारियों समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने पुलिस कमिश्नरेट में हुई मीटिंग में पुलिस फोर्स में रिश्वतखोरी के मामलों पर नाराज़गी जताई थी। लोहेगांव पुलिस स्टेशन के एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर ने एक नॉन-प्रॉसिक्यूशन केस में मदद करने की बात कहकर 80,000 रुपये की रिश्वत ली। सब-इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया।

जब यह मामला अभी ताज़ा ही था, एंटी-करप्शन ब्यूरो ने बंडगार्डन रोड इलाके में इकोनॉमिक ऑफेंस विंग की एक महिला असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर समेत दो लोगों को 28 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। हाल ही में, कोरेगांव पार्क पुलिस स्टेशन के एक पुलिस कांस्टेबल ने कोर्ट से जारी अरेस्ट वारंट को तामील न करने के लिए 1.5 लाख रुपये की रिश्वत ली थी। पिछले महीने, बंडगार्डन पुलिस स्टेशन के एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर को धोखाधड़ी का केस दर्ज न करने के लिए 1 लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

शहजाद भट्टी कनेक्शन से महाराष्ट्र में हड़कंप, ATS ने पुणे, मुंबई सहित कई शहरों में मारे छापे; 57 लोगों से पूछताछ

मुन्ना मुजावर

पुणे : पाकिस्तान के कुख्यात गैंगस्टर और आतंकी गतिविधियों से जुड़े अपराधी

शहजाद भट्टी के नेटवर्क पर महाराष्ट्र एटीएस ने बड़ा शिकंजा कस दिया है। बुधवार को राज्य दहशतवाद विरोधी पथक (ATS) ने महाराष्ट्रभर में ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए 57 संदिग्धों से पूछताछ की। पुणे, मुंबई, अकोला, नांदेड, नाशिक और जळगांव समेत कई शहरों में एक साथ छापेमारी की गई। पुणे के शिरूर, चाकण और वारजे इलाके में भी ATS की टीम ने कार्रवाई करते हुए कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है।

सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान में बैठे शहजाद भट्टी का संपर्क सोशल मीडिया के जरिए महाराष्ट्र के कुछ युवकों से था। जांच एजेंसियों को आशंका है कि वह युवाओं को भड़काकर आतंकी गतिविधियों में शामिल करने की कोशिश कर रहा था। इसके लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन नेटवर्क का इस्तेमाल किया जा रहा था। एटीएस को मिले इनपुट के बाद बुधवार सुबह से ही राज्यभर में बड़े स्तर पर ऑपरेशन चलाया गया। एटीएस अधिकारियों ने बताया कि भट्टी के संपर्क में आए लोगों के सोशल मीडिया अकाउंट्स, बैंक खातों और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन की गहन जांच की जा रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि कहीं इन युवकों को विदेश से फंडिंग या संदिग्ध आर्थिक मदद तो नहीं मिली। फिलहाल हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ जारी है और आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

हडपसर की सबसे बड़ी गंगा विलेज सोसायटी पर बड़ा एक्शन; डायरेक्टर बोर्ड भंग, प्रशासक नियुक्त

मुन्ना मुजावर

पुणे के हडपसर इलाके स्थित हांडेवाडी रोड की सबसे बड़ी मानी जाने वाली गंगा विलेज को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी के संचालक मंडल को सहकारी संस्थाओं के उपनिबंधक डी. एस. हौसारे ने बड़ा झटका देते हुए भंग कर दिया है। यह कार्रवाई महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम 1960 की धारा 77-अ (ब-1) के तहत की गई।

सोसायटी के सदस्य मोहन मोरे समेत 5 लोगों ने अध्यक्ष योगेंद्र गायकवाड, सचिव दिलावर शेख, खजिनदार मधुकर जगताप और अन्य समिति सदस्यों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया था कि सक्षम अधिकारी द्वारा तीन संचालकों की सदस्यता समाप्त कर उन्हें पद से हटाया गया था, जबकि छह संचालकों ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद निर्वाचित संचालकों की संख्या घटकर सिर्फ 10 रह गई थी, जो आवश्यक 2/3 गणसंख्या से कम थी। मामले की जांच के बाद उपनिबंधक डी. एस. हौसारे ने संचालक मंडल को भंग करने का आदेश जारी किया। साथ ही सोसायटी का दैनंदिन कामकाज संभालने के लिए सहकारी संस्था लेखापरीक्षक श्रेणी-2 के अधिकारी आई.सी. सावळगी को प्रशासक नियुक्त किया गया है।

हडपसर के उषाकिरण हॉस्पिटल में मिली बम जैसी संदिग्ध वस्तु, इलाके में मचा हड़कंप

मुन्ना मुजावर

पुणे : हडपसर इलाके के एक निजी अस्पताल में बुधवार शाम उस वक्त हड़कंप मच गया, जब अस्पताल के वॉशरूम में बम जैसी संदिग्ध वस्तु मिलने की सूचना सामने आई। घटना की जानकारी मिलते ही पुणे पुलिस, बम निरोधक दस्ता (BDDS) और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान संदिग्ध वस्तु के अंदर जिलेटिन की छड़ें मिलने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। बाद में पुलिस ने पूरे इलाके को घेराबंदी कर सुरक्षित किया और विस्फोटक सामग्री को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर निष्क्रिय कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, हडपसर स्थित उषाकिरण हॉस्पिटल के प्रसाधनगृह में एक व्यक्ति को संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। उसने तुरंत इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया। अस्पताल परिसर में मरीजों और कर्मचारियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। एहतियात के तौर पर अस्पताल के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई और लोगों की आवाजाही पर नजर रखी गई।

बम निरोधक दस्ते ने जब संदिग्ध वस्तु की बारीकी से जांच की, तब उसमें जिलेटिन की छड़ें पाई गईं। इसके बाद टीम ने बेहद सावधानी के साथ विस्फोटक सामग्री को कब्जे में लेकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और उसे निष्क्रिय किया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान अस्पताल और आसपास के इलाके में भारी तनाव का माहौल बना रहा।

फिलहाल, हडपसर पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। देर रात तक इस मामले में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज करने की प्रक्रिया जारी थी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर अस्पताल परिसर में यह विस्फोटक सामग्री किसने और किस मकसद से

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)